कपिल देव त्रिपाठी
सचिव
K. D. TRIPATHI
SECRETARY

भारत सरकार
पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय
शास्त्री भवन, नई दिल्ली - 110 001
Government of India
Ministry of Petroleum & Natural Gas
Shastri Bhawan, New Delhi - 110 001
Tel. : 011-23383501, 011-23383562
Fax : 011-23070723
E-mail : sec.png@nic.in

संदेश

वर्ष 1975 में स्थापना के बाद से तेल उद्योग विकास बोर्ड तेल और गैस क्षेत्र की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को ऋण, अनुदान और इक्विटी भागीदारी के रूप में वित्तीय सहायता उपलब्ध करवा रहा है। वर्ष 1975 से 31.3.2016 तक कुल 2332 करोड़ रुपयों का अनुदान पाँच नियमित अनुदानग्राही संस्थान नामत: हाइड्रोकार्बन महा निदेशालय, उच्च प्रौद्योगिकी केन्द्र, तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय, पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ और पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ, को वितरित किए गए हैं। इन अनुदानग्राही संस्थानों ने अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम गतिविधियों जैसे राष्ट्रीय गैस हाइड्रेट कार्यक्रम, नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (नेल्प) के कार्यान्वयन, कोल बेड मीथेन के वाणिज्यिक उत्पादन, वैकल्पिक ईंधन के विकास के लिए अनुसंधान, रिफाइनरी की बेंच मार्किंग का अध्ययन, ईंधन संरक्षण, सुरक्षा मानकों का विकास आदि उल्लेखनीय परियोजनाओं को क्रियान्वित किया है।

वर्तमान में तेल उद्योग विकास बोर्ड, तेल और गैस क्षेत्र के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए औसतन 1700 करोड़ रुपयों का ऋण प्रति वर्ष उपलब्ध कराता है। तेल उद्योग विकास बोर्ड द्वारा दिए जाने वाले ऋण का उपयोग तेल और गैस पाइपलाइन परियोजनाओं, नई रिफाइनरियों की स्थापना, मौजूदा रिफाइनरियों में गुणात्मक सुधार, सिंगल प्वाइंट मूरिंग परियोजनाओं, शहर गैस वितरण परियोजनाओं आदि के लिए किया गया है।

ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्ट्रेटेजिक तेल भंडार परियोजनाओं के निर्माण के लिए इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्वस लिमिटेड की स्थापना की है। तेल उद्योग विकास बोर्ड ने इस कंपनी में इक्विटी के रूप में अपना योगदान दिया है।

तेल उद्योग विकास बोर्ड ने हाइड्रोकार्बन क्षेत्र कौशल परिषद की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इसका लक्ष्य हाइड्रोकार्बन उद्योग के विभिन्न कौशल क्षेत्र में आवश्यकताओं को पूरा करना है।

मुझे विश्वास है कि तेल उद्योग विकास बोर्ड अपने उद्देश्य पूर्ति हेतु देश में तेल व गैस क्षेत्र के समग्र विकास के लिए संबंधित तेल कंपनियों को अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करता रहेगा।

क. दे. त्रिपाठी 30.6.2016
(कपिल देव त्रिपाठी)